

सहस्रनामस्तोत्रम्

सहस्रं श्रीरुद्रवचनं सदा प्रक्षाम ॥ ॥ वाग ॥ मन्त्रा ॥ सूर्य्यमद्य
लसाम्पद्विभुजं कमय २ नगानमकूटक ॥ विनिभावना ॥ ॥ नसा
मि २ वृद्धा किनि- विभुवनं धनी ॥ सिद्धि सिद्धि वन्दायनी मादृषदा ॥ ॥
दहिनकुलिसधनं वासय्यया २ नृपिनी देवी गगनवासिनी ॥ ॥ नत्प्रव
निवासिक उदियानपीथ्य २ श्रीविद्याधनी देवी- सूचनं वदहिता ॥ ॥
कणुप्रसादं श्रीसिद्धिवद्गुणीना २ जन्मजन्ममान् सिद्धि हलप्रसादा ॥

विष्णु श्रीश्री विष्णु हित विष्णु रुतय च मन्त्रि २ जय द्वीपानना वह किजिन
 मानसाहन रुतय किमिल घनघान युधे ॥ १ ॥ जातवदान मया उपदी
 पना उपदीपय निजा रुध्मानं २ धमनना उपदीपव उ विदि गुरुवन उभउ
 पदीपथीय धुपनम् ॥ २ ॥ दिनुदल पुा वियन नव बुद्धि नया विय मय
 जयदल वृमिथान २ जवनला उ दि विय सायकं नयामे धि कूल निधि नि
 यिल वेदयेति ॥ ३ ॥ गुनवन धा विवल सा रुगालि निराधना मन्त्र

२ निमो नादि ॥ २ ॥

समउदक पनिस रु निपूजा २ प्रधावप निरा नलि मय निपूजी कुरुव ३
 ले निमन नल मरुतुत ॥ ४ ॥ नाग ॥ रुव वि ॥ निम नाद व रुय रुदल
 हाना नूह मध गत का दि वृत नाद नूयी २ समीन य प्रत ललितार्क गा मिनिन
 ननिन रु नाप मरुत नाद नूपि ॥ ५ ॥ नमा मिदवी श्रीव रु विना सिनी गि
 रुवरुयहन ॥ यम समरुत नदवी २ अदि यान पूरु गि निना मनुप श्री हत
 रुवि रुत मरुत नूत ययनि ॥ ६ ॥ वमदल मना नूह वल धर्म वक

[illegible]

लिपुडिया ॥ ५ ॥ लुक्कदवीवनीनायापिपुवनवीना २ वीनंवीननाय
कसमयाजानद ॥ ॥ वीनंवीनंवनसहजानद २ कलंकमलास
नहुदयानद ॥ ॥ पञ्चवृद्धपञ्चकधस्वपञ्चदवासनननपुमादि
तहुदया ॥ ॥ ३ ॥ ओहंहीखंस्वधनकनिक २ ५ मनूयधधनिविलमा
नद ॥ ॥ नागा ॥ कहेदि ॥ यटयागिदिदं पिपुवनयापिता २ वि
प्रसालइयदपधविनासिनी ॥ ५ ॥ नमामि २ दवीनीवकुलानादि २

अद्विमाद्विदायनीजगजजननी॥ ॥ पूर्वद्वयगतवक्तवर्धनरासासिनी
 दवीनीलवर्धनी॥ वायुवामादिनीदवीशिववर्धनीरपदिमसंवाविनीद
 वीरगोवर्धनीददा॥ ॥ नेत्रिपसंवासीनीदवीहविगवर्धनीरदकिनेव
 धिकादवीधुसुवर्धनी॥ ॥ चतुर्वर्धनीकानतापक्षमृदाकवर्धनीरस
 खविजसंरुवनववर्धनीदिगंमवा॥ ॥ वागहेववि॥ ॐ आः हं हं हं हं
 कनखादा मकुडवावर्धनीरपूजापूजकपूजलावर्धनीरसंरुपवर्धनी॥

वासवखादिश्वलिपूजलघघघारयश्विपूजवर्धनीरपक्षमृदवर्धनी
 पक्षगात्रिलेपक्षरूपनसर्ववि॥ ॥ सर्वजगत्कारुसखकपक्षपिठ
 आत्मादालशककाकिनीदवीरसंवाविनीदवीहविगवर्धनीरदकिनेव
 पक्षिसर्वकार्यकत्वयासर्वसखसंपादकवर्धनीरसंवाविनीदवीहविगवर्धनी
 पृथमाकृकमथव॥ ॥ समयलहृदुदानपक्षिसर्वसिद्धिसंपदवर्धनी
 वरणासंमालकवर्धनीरसंवाविनीदवीहविगवर्धनी॥ ॥ वागपथः

[illegible]

संज्ञादिस्तुलितानुक्तकाकावा ॥ ॥ अहिनि संज्ञातु नृवा वक्ष्य
नाला द्वादिगानंसाव अलावा २ ऊनामवन रुयवधन द्युदिग्यन रुयमा
नृप्रतिय संज्ञाव ॥ ॥ नाग ॥ ललित ॥ अन्तु नृव तथ नावका व संज्ञाव
नत्वे नृप न विप्रित विविप्र कल सं २ ऊं आ इका न व जा मृ त मृ द वा सृ प्र स
मा धि क इना मृ त्मयं ॥ ५ ॥ वं द्यु मृ न व स वा धि हल दाय क सर्व जिन
व्यापित संज्ञक कल सं २ ऊं ग क म य सा धि क ह नृ क नृ ॥ ६ ॥ ऊ व संज्ञा व

समस्तनंदिवरुपं ॥

॥ बंरुपनमानुवयराध्रं दुसयुक्तं हां यः ॥ धिगप

अपीयुमं २ इकाभमरुपुष्य ॥ सवर्द्धं वंरुपुष्य पितविपाकेकलहं ॥

यदमत्यक्तनं संपन्नपताव आह्वयं मधुकिनी जलज नृपं २ सकिटि साध

नक्षदेवता बंधुज्ञानसत्त्वमानीय हृदवीरु किनर्धं ॥

॥ पाद्यादिआचम

नदानपुनस्तनं समयसत्त्वप्रव्यहिन विमदक नक्षं २ महानाज्ञादविरुयदी

धिविरुपसमयसत्त्वज्ञानवर्द्धकीरुनं ॥

॥ वारा ॥ गंधारुनवि ॥

विष्णुसामान्य ॥ १८ ॥

हाउम्पारुवधविहसिर्नेमअलघध उज्जाला विनिनयनविनिनयना
 ॥ ८ ॥ ॥ कवति यय्यनगिन्ववुडनवसिलसात ॥ कुयितरवदागचन
 मकटकं ॥ ॥ ॥ शिवसिधनकडलसुत्ता ॥ ककुनिकर्पुवतांवावत्
 मसाता ॥ ॥ ॥ अनयिणवकय ऊवा पुलिहामा ॥ श्रीवडुदवीपसादवी
 दन्वपाया ॥ ॥ ॥ नावा ॥ कासाद ॥ अवनिनीहितवामज्ञान् य अकिनस
 सालसंज्ञासा ॥ ॥ ॥ भागद ॥ भाहवधिवया ॥ ॥ पिरुवननाया ॥ अवलदीना ॥ ॥ ५

[A rectangular piece of light-colored fabric or paper is pasted over the middle section of the manuscript, obscuring some text.]

॥ नमासि श्रीवधुमहाभायना ॥ ॥ ज्ञाननृएरुयछ ॥ इता ॥ विभनांथविभया
 पितविनीविक्रममहाकाधनाया ॥ ॥ ॥ अकिनीयनादउद्वपवसाइछाक
 नायाविशुतिकिनना ॥ ॥ पिठिकजधनावाकलनयना ॥ ॥ विविजासावायइस
 नना ॥ ॥ माधवमायापुनरुनवक्ता ॥ ॥ नोडपि ॥ ॥ मचादिपादज्जरुनक्ष ॥ ॥ समन
 समायावागविमाहाज्ञाननायासमाहित ॥ ॥ दहा ॥ ॥ ॥ वल्लारुननांप
 कलितमोली ॥ कयूनमीपुनवुक्षामनकाना ॥ ॥ सुननननागादिवटिक

[illegible]

Figure 1. The first two characters of the word "fire" written in the Chinese script.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५५ ॥

कलोठकवर्णमो नपित्रयि ॥ ॥ तनुक्षिमधुलमाप्पडादियानगममा २ नल
नोपुनवनधनं प्रवेक्षिता ॥ ॥ श्रीविद्याधनोदवीधनननमहिता २ सकल
महि सिद्धिदहिममाता ॥ ० ॥ नागा ॥ ताम ॥ शिदलकमलवर्धकृष्णस
रु मधुकनदबुवलिनी २ श्रीविनूपाकसगममदवी मदिनिमपालव्यापिता
॥ ॥ नमामि श्रीनेनात्मादवी शिरुवनमाता वयुलादवी श्रीमृगथनी २ सुय
वसुनासुनवदिनवम ॥ ॥ अनगमहि सिद्धिवनप्रसादा ॥ ॥ नष्टनमिव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५६ ॥

वनचदनतनुव अनककृष्णमपालिकावन २ निखंगगासमवागमतीतीर्थम
नगतीर्थमृगप्रवन ॥ ॥ अष्टरुजवअष्टयागिनिदवी अनगदवीदवा
सुनरूपपाल अष्टमहारुयदनीतनिवान ॥ ॥ अनगविप्रनिनवान ॥ ॥
विष्णुवियापिता नूक्षिदवी अष्टमनिनअनजागिमयं २ अष्टिमकसुप्ररु
लदायनीदवी रुमरुमरुपायसुनध ॥ ० ॥ नागवसक ॥ जिनवनरु
ननीपतास्वननमनी २ विलासमिसमनसददालिगता ॥ ॥ नीलेसुह

सूत्रयशंगानसंपूर्ण २ गमधालिङ्गज्ञानद्वयन ॥ वापयिस्तुतागम
 यन्त्रधिमयन २ नागविनागद्वयिमात्मनि यश्च ॥ अङ्ककुलिहसंज्ञाग
 विमर्शना २ सूत्रननप्रमूयद्वजालिङ्गधाम ॥ दहिनशुवनथीयोगमन्त्र
 ना २ प्रक्षमा मिहाननध्वनी जालिङ्गधाम ॥ नागधामहिनी ॥ हं यन्निन ३
 नयनमपुत्रु सूत्रमायसहस्रं २ तावहवियसंहवदा नानासिमयिजाव
 ॥ नउरुवनद्वनिवाधगहि ३ ह मा महासहवर्द्ध २ यातावयिमनन

2855 I

ASIA ARCHIVES

२४५। प्रसूतना ॥ ६६

नमध्वनीश्चक्रमालदर्पक्षवाधप्रहागा॥ ध्रु॥ ऊगतनपालनाथप्रभ
दितहृदयाश्चक्रिमन्त्रसूखरुलवनप्रह्लादा॥ ० ॥ नागार्थेनवि॥
वस्तुयम्भानिनिग्रहका वासकिनागागाजितमघाश्चक्रलम्भमान
अष्टकवक्त्राघ्नितमघातकुकनागा॥ ध्रु॥ अष्टकमङ्गलयकुरुगव
द्रिवायुनाकसदिगांविदिगांवहिदवतिनश्चक्रम्भानयुगीसीवीन
धननावयिसहजानन्दन॥ ॥ कंकानिष्ठावीवहितमघाहाली

कूलाककोटकनाग २ कलंकहेनवावर्णिगमघा सनसिङ्गनाग वूठकस
का ॥ ॥ अद्गहासा संसपालनाग प्रवधुमघावरुमहिनुडा २ ल
श्रीयानाकनंजुवकाघ्निगमघामहापपा ॥ ॥ धानमममनपध
तिवृकाअनंतनाग पुनधमघा २ किलिकिलिलावाअरुक्षवका कलिकना
गवधमघा ॥ ॥ हादहाहजाहादे ॥ उवनावउवअवदनाहादम
नयवना २ रुतयिकर्धपावाअरुसम्वना कालिनाशिनिपूवापयिवदना

२५ मां गानि ॥ ६० ॥ विष

॥ ० ॥ नाग ॥ अक्षर ॥ नवि ॥ धृमा ॥ नावि ॥ बहक ॥ नावि ॥ शी ॥ सम ॥ पि ॥ न ॥
 ॥ वयन ॥ ॥ ॥ उ ॥ यिल ॥ ह ॥ ह ॥ क ॥ न ॥ क ॥ न ॥ श ॥ र ॥ ना ॥ ना ॥ वि ॥ ना ॥ ना ॥ द ॥ म ॥
 ॥ व ॥ सि ॥ पु ॥ ॥ ॥ म ॥ म ॥ य ॥ न ॥ क ॥ रु ॥ या ॥ ग ॥ म ॥ व ॥ द ॥ वा ॥ र ॥ वा ॥ रु ॥ वि ॥ वा ॥ ह ॥ व ॥ व ॥ म ॥
 ॥ ना ॥ ॥ ॥ ॥ शि ॥ क ॥ य ॥ क ॥ न ॥ क ॥ यु ॥ ग ॥ वा ॥ लि ॥ ॥ ॥ हा ॥ र ॥ पु ॥ रि ॥ क ॥ न ॥ क ॥ स ॥ मा ॥ क ॥ ल ॥ व ॥
 ॥ य ॥ न ॥ ॥ ॥ ॥ नो ॥ द ॥ म ॥ हा ॥ व ॥ लि ॥ पि ॥ रु ॥ व ॥ न ॥ ग ॥ य ॥ न ॥ र ॥ म ॥ य ॥ मा ॥ स ॥ म ॥ स ॥ न ॥ धि ॥ न ॥
 ॥ आ ॥ हा ॥ न ॥ ॥ ॥ ॥ ना ॥ ग ॥ ॥ ल ॥ लि ॥ क ॥ ॥ वि ॥ अ ॥ य ॥ वि ॥ अ ॥ य ॥ वि ॥ न ॥ य ॥ व ॥ न ॥ म ॥ य ॥ ग ॥ क ॥

लसिचद्यानिना। एकमंल २२५। यजिनविम्वृहा। लिमनयिसूनवऊकिनि
 आणाममयस्यामसयले॥ धृ०। नममरु० धायं० कालवकद्ववऊसम
 नविचनूपे० २५५। मड० ममं० या० ग० म० व० म० सहऊ० आन० द० मे० य० स० न
 नूपे० ॥ ॥ वऊ० प० य० द० ह० क० क० ॥ व० द० क० न० न० म० गी० ती० अ० शी० स० ध्या० न
 २० ग० क० द० ॥ ख० न० म० न० वा० धि० रु० ल० दा० य० क० ॥ या० ग० ध० म० म० म० न० र० वा० व० द० द० य० ॥
 ॥ गु० न० वा० क० द० द० ध० नी० या० न० क० प० व० न० क० द्रि० य० म० मि० क० ल० व० द० उ० ना०

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

दिधमि२ वउवकपा० श्रीनमनमधनीसधरुसामीनूवाजाहुउव
ने॥ ॥ स्वप्रमायाग० रावपनिगावना वूअधर्मसंघ० जनागमीये
२गुनूववधगिलगकधनीया ॥ भवकिसूनगबऊ ऊन्मऊन्ममानूवद्वहा
वध० ॥ ० ॥ वागा॥ मधूमक॥ प्रमादिगदिदहाउमीसूदनीसन भनू
मसुलसस्किगलयन२ वादहाउऊवउवनस ॥ भिगावऊवावाहि
क० अलिपि० ॥ ॥ ॥ हं हं हं दहदिहसू नक्षमालमयलसंवा

धियाल२ ददालिगनअद्वयमेरावनावायेदान श्रीसम्वनवाया॥
॥ कलिभयधगऊवर्ममिगलोकनतिकें उमपूअ ॥ भिगा२ मऊ
पूनीककेपालयवागापाहापन० वूअगिलधना॥ ॥ पऊकिनेवने
मकूअलंरुग सऊमूडा न० विरूपिका२ अलिकालिइयिआ
नीरवापयि व्याघ्रवर्म निद्यामनरुपूतन॥ ॥ नेवगिलमाला
आलरु श्रीसम्वनादिववकू धिनिकनूधाहृदया२ ऊन्मऊन्ममानूव

२००१

इपायमनःसगमवाकपत्रमादेवउगीता॥ ० ॥ वागवागवउगी॥
इविनिमन्नावनविलासिथिकथिमी॥ ३०॥ रुवागमलेद्येनाया॥ ४॥
नजंकावहमलुजगगनिवासिथान॥ ॥ अमिय२ निवंगनदह॥ २॥
सहजसूटनीनेया॥ किनहैवपथिस॥ ॥ १॥ वउथागिनियेनमल२॥
वजवावाहिआलिगाधकीले॥ ॥ ३०॥ रुवागकनृशकवावी२॥ रुय२॥
आलिगाधनीलेवर्ध॥ वावी॥ ॥ वागमशंकार॥ अतिनीलवर्ध॥ नृधि॥

२००१

गहमममममपृष्टिमुदह२॥ बोदरुयानकपीथंस्वर्नंजुलुस्महानमहा
कारुबाऊ॥ ४॥ ॥ हैहैकावधालपवदु॥ मारुकागनपविर्न॥ मव्यकमल
वामविद्वद्वितियनय॥ जवर्म॥ ॥ शिनयनशिधु॥ नवस्त्रासिलनागाजिनाई
द्वतमिय२॥ कूनवकदु॥ कनाल॥ नकस्वा॥ उईकई॥ ॥ शिधिनगुही
मवदना॥ जलतसमूह॥ धंसनकनई॥ ॥ दल॥ स्त्र॥ लासा॥ शितागननाथाहन
नमहिगं॥ ॥ रुकदानपतिल॥ आसापू॥ वंशिताथ॥ वंदह२॥ रुन्म२॥